SHRI H.R. BHARDWAJ: On this issue, there was no consensus. These are major reforms.

SHRI RAVI SHANKAR PRASAD: The question by the hon. Member is this. As of now, Opinion Polls have gone on television, in magazines and in newspapers. The question of considering the matter in all-party meeting is certainly a case in point. But the fundamental question is, what is the stand of the present Government? Does the present Government want Opinion polls to continue or not? I would like the hon. Minister to state it categorically. What is the position of the Government as far as Opinion Polls are concerned?

SHRI H.R. BHARDWAJ: With great respect to my hon. friend, there is no difference of opinion in our party and in his party on banning these Opinion Polls. We need to amend the law. We will do so immediately. (*Interruption*)... What is the difficulty? There is no difficulty. ....(*Interruptions*)....Your view and our view was the same then and is same even now.....(*Interruptions*).....Why are you expressing a view differently?....(*Interruptions*).

श्री रवि शंकर प्रसाद: सरकार की स्थिति क्या है? आप सरकार के मंत्री हैं।

श्री हंसराज भारद्वाज: मंत्री आप भी थे, लेकिन हम सुनते थे आप सुनते नहीं हैं।

We are for these reforms. There is not difficulty.

*286 [The questioner (Dr. Alladi P. Raj Kumar) was absent for answer *vide* page 32 infra]

Authentication of certificates

*287. SHRI N.K. PREMACHANDRAN: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether Government are aware that the job seekers to Gulf countries from Kerala are experiencing much difficulty due to the inordinate delay in attesting certificates;

(b) whether Government propose to introduce any remedial measures either by entrusting the task exclusively to an offical team or by authorizing the State Government so as to help the job seekers; and

(c) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI MD. ALI ASHRAF FATMI): (a) There is no inordinate delay as the authenticated certificates are returned to the applicants the same day.

(b) and (c) The State Governments have already been authorized on 08-07-2004 to authenticate the educational qualifications. The Government of Kerala has already decided to open Regional Authentication Centres at Kozhikode and Kochi in addition to the Centre at Thiruvananthapuram which is functioning.

कंपनी कार्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री प्रेमचंद गुप्ता):* है? ...(व्यवधान)...

श्री एस॰एस॰ अहलुवालिया: कौन कहता है, कौन कहता है? कौन कह रहा है? * कौन है? ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: * शब्द expunge किया जाता है। ....(व्यवधान).... बैठ जाइए।

...(व्यवधान)... हो गया expunge, expunge, कर दिया।...(व्यवधान)... expunge, कर दिया। ...(व्यवधान)... आप ने कही है ये बात? एक मिनिट बैठिए। ...(व्यवधान)... बैठ जाइए। Expunge, कर दिया मैंने। ....(व्यवधान)... गुप्ता जी, आप बोलेंगे? ...(व्यवधान)... एक मिनिट बैठिए। ...(व्यवधान)...

श्री एस॰एस॰ अहलुवालिया: सर, आप माफी मंगवाइए उनसे। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: एक मिनट, अपनी सीट पर बैठिए। ...(व्यवधान)... आप बैठ जाइए। ...(व्यवधान)...

श्री नीलोत्पल बसु: सर, इनके लिए वेल में यहीं पर सीट लगवा दीजिए। इतनी मेहनत करनी पड़ती है। ...(व्यवधान)...

प्रो॰ राम देव भंडारी: सर, यह सीट पर से नहीं बोल सकते? ...(व्यवधान)...

श्री नीलोत्पल बसु: इनके लिए नई सीट वेल में लगवा दीजिए सर। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : एक मिनट, बैठिए, आप लोग। ...(व्यवधान)... एक्सपंज कर दिया है। ...(व्यवधान)...

---

* Expunged as orderd by the Chair.

श्री प्रेम चन्द गुप्ता: सर, आप एक्सपंज करते हैं, लेकिन मैंने किसी व्यक्ति विशेष को नहीं कहा। हर इस्यू पर यह डिस्टर्ब करते हैं। मैंने किसी व्यक्ति विशेष के लिए नहीं कहा। ...(व्यवधान)... अगर इनको तकलीफ है तो मैं वापस लेता हूँ।...(व्यवधान)...

श्री सभापति: बैठिए, वापस ले लिया उन्होंने। ...(व्यवधान)...वापस ले लिया है, अभी वापस लिया है। ...(व्यवधान)... अभी वापस लिया है। ...(व्यवधान)... नैक्स्ट क्वैश्चन। ...(व्यवधान)... भई, वापस ले लिया है। आप कर क्या रहे हो? ...(व्यवधान)... वापस ले लिया है। आप बैठ जाइए। अब आप क्या रह रहे हो? ...(व्यवधान)... मैंने सुना है, रिकॉर्ड पर आ गया है। ...(व्यवधान)... अहलुवालिया जी, उन्होंने वापस ले लिया है। It is on the record ...(व्यवधान)...

प्रो॰ राम देव भंडारी: सभापति जी, इन्होंने जो * की बात कही थी, वह भी इन्हें वापस ले लेना चाहिए। यह बेबुनियाद आरोप लगाया है, मंत्री के खिलाफ बेबुनियाद आरोप लगाया है। इनको भी वापस ले लेना चाहिए। ...(व्यवधान)...

श्री नीलोत्पल बसु: सर, मेरा निवेदन है कि इनकी सीट वेल में लगा दीजिए। ...(व्यवधान)...

श्री एस॰एस॰ अहलुवालिया: यह * का तो जजमेंट है। ...(व्यवधान)...

प्रो॰ राम देव भंडारी: कोई जजमेंट नहीं है। सर, यह अभी भी बोल रहे हैं। यह क्या हो रहा है? ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: अभी आप बैठ जाएं। ...(व्यवधान)... वह हो गया, वापस ले लिया है उन्होंने। ...(व्यवधान)... खड़े होकर उन्होंने वापस ले लिया है। अब आप बैठ जाइए। ...(व्यवधान)...

प्रो॰ राम देव भंडारी: आप मंत्री पर आरोप लगाते हैं, यह अच्छी बात है क्या? बिना किसी प्रमाण के गलत आरोप लगाते हैं आप। ...(व्यवधान)...

श्री नीलोत्पल बसु: सर आपने उस स्थिति को स्पष्ट किया कि उन्होंने वापस ले लिया है, उसके बाद भी वेल में ये लोग आ जाते हैं। ...(व्यवधान)... सर,ऐसे नहीं चल सकता कि एक आदमी, दो आदमी पूरे हाऊस को हाईजैक करके ले जाएंगे। ...(व्यवधान)...

प्रो॰ राम देव भंडारी: सर, यह मंत्री के खिलाफ चार्ज लगाते हैं, हाऊस को हाइजैक करना चाहते हैं। ...(व्यवधान)...

MR. CHAIRMAN: Question Hour is over.

---

* Expunged as orderd by the Chair.